दिनांक

हाँ जी हाँ, ना जी ना

दिवस- 85

शिक्षण–निर्देश :

'हाँ जी हाँ, ना जी ना' कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा विद्यार्थियों से बातचीत करें।

तुम खाना खाते हो?
हाँ जी हाँ, हाँ जी हाँ
तुम खाना पकाते भी हो?
ना जी ना, ना जी ना
खाने की हाँ, पकाने की ना
ऐसे कैसे चले जहाँ?

तुम गंदा करते हो?
हाँ जी हाँ, हाँ जी हाँ
तुम सफ़ाई भी करते हो?
ना जी ना, ना जी ना
गंदे की हाँ, सफ़ाई की ना
ऐसे कैसे चले जहाँ?

तुम कपड़े पहनते हो?
हाँ जी हाँ, हाँ जी हाँ
तुम कपड़े धोते भी होगे?
ना जी ना, ना जी ना
कपड़ों की हाँ, धोने की ना
ऐसे कैसे चले जहाँ?

दिनांक	हाँ जी हाँ, ना जी ना	दिवस- 86

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन तथा कविता के शीर्षक पर बातचीत करें। उसके बाद आवश्यक क्रियाओं जैसे– गंदे कपड़े क्यों नहीं पहनना चाहिए, हाथ को क्यों साफ रखना चाहिए आदि के द्वारा सफ़ाई के महत्त्व को समझाएँ।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क)	आपके कपड़े कैसे गंदे हो जाते हैं?
(ख)	आपके कपड़ों की सफ़ाई कौन करता है?
(ग)	यदि आप गंदे कपड़े पहनेंगे तो क्या होगा?
(घ)	आपके घर पर खाना कौन पकाता है?
(ङ)	भोजन के पहले और बाद में तथा शौच के बाद हाथ धोना क्यों जरूरी है?

दिए गए कथनों के सामने अपनी रुचि से 'हाँ जी हाँ' या 'ना जी ना' लिखिए–

(क) मिठाई खाएँगे?

(ख) पढ़ने जाएँगे?

(ग) गाना गाएँगे?

(घ) रोज़ सबेरे उठेंगे?

(ङ) दोस्तों के संग खेलेंगे?

दिनांक	हाँ जी हाँ, ना जी ना	दिवस- 87

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा चंद्रबिन्दु वाले शब्दों के उदाहरण की सहायता से चंद्रबिन्दु की समझ दें।

नीचे दो–दो शब्द लिखें हैं। दोनों को बोलकर पढ़िए–

ऊट, ऊँट, हस, हँस

नीचे लिखे शब्दों पर जहाँ ठीक समझें (ँ) लगाइए–

(क) पूछ लम्बी थी।

(ख) कटोरी कासे की थी।

(ग) सास जोर–जोर से चल रही थी।

(घ) बास बहुत लंबा था।

(ङ) मुझे खासी आ रही है।

प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में लिखिए–

(क) आपके घर की साफ़–सफ़ाई कौन करता है?	
(ख) आपके बाल कौन काटता है?	
(ग) बीमार होने पर आपका इलाज कौन करता है?	
(घ) आपके कपड़े कौन सिलता है?	

बोलकर पढ़िए और खाली खानों में लिखिए–

कपड़ा	सफ़ाई	जरूरी	मिठाई

दिनांक	हाँ जी हाँ, ना जी ना	दिवस- 88

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा विभिन्न प्रकार के व्यवसाय, जैसे– शिक्षक, डॉक्टर आदि के बारे में बताएँ।

चित्र को देखकर उससे जुड़ी दो–तीन वाक्य लिखिए–

शब्द बनाइए–

क ली छि प	छिपकली	र त बु ज	
रि ना य ल		श र गो ख	
ह री गि ल		ई ल ह वा	

दिनांक	हाँ जी हाँ, ना जी ना	दिवस- 89

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा अभ्यास–पुस्तिका से अन्य उदाहरणों द्वारा वचन की समझ दें।

चित्र में आए शब्दों से वाक्य बनाइए–

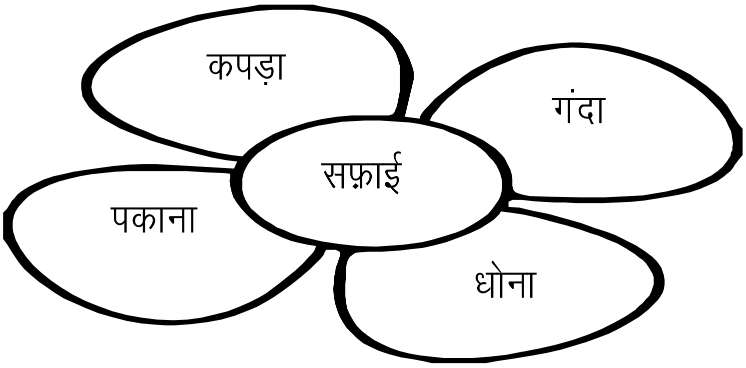

कपड़ा–

सफ़ाई–

पकाना–

धोना –

गंदा–

सही कथन पर(√) का एवं गलत कथन पर (X) का निशान लगाइए–

(क) तुम खाना खाते हो? ना जी ना, ना जी ना

(ख) तुम गंदा करते हो? ना जी ना, ना जी ना

(ग) तुम सफ़ाई करते हो? हाँ जी हाँ, हाँ जी हाँ

(घ) तुम कपड़े पहनते हो? हाँ जी हाँ, हाँ जी हाँ

(ङ) तुम खाना पकाते हो? ना जी ना, ना जी ना

बहुवचन लिखिए–

लड़का	लड़के	बकरी	बकरियाँ
कपड़ा		कहानी	
पौधा		नदी	

दिनांक | हाँ जी हाँ, ना जी ना | दिवस- 90

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा शब्दों को सही क्रम में सजाकर वाक्य बनाने की समझ दें।

शब्दकोश की मदद से वाक्य पूरा कीजिए–

भारत, पूरब, तबला, बिल, अखबार, जंगल, तारे, पटना, राष्ट्रपिता, इंडियागेट

(क) शेर .... का राजा है।

(ख) साँप .... रहता है।

(ग) सूरज .... दिशा में निकलता है।

(घ) राधा .... बजा रही है।

(ङ) दादाजी .... पढ़ रहे हैं।

(च) गाँधीजी भारत के .... हैं।

(छ) आकाश में .... चमकते हैं।

(ज) .... दिल्ली में है।

(झ) बिहार की राजधानी .... है।

(ञ) दिल्ली .... की राजधानी है।

शब्दों को सही क्रम में सजाकर वाक्य बनाइए और लिखिए–

(क) दोस्त मेरा है यह

(ख) राजा है का फलों आम

(ग) है में लालकिला दिल्ली

(घ) जल है मछली की रानी

(ङ) टिक–टिक है करती घड़ी